SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. CORE COURSE(CC)
SEMESTER -III

ABILITY ENHANCEMENT		
CORE	UA03CHIN21	आधुनिक हिन्दी छायावादी कविता १,पंत,प्रसाद,निराला और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ ले. वाचस्पति पाठक लोकभारती प्रकाशन दिल्ली
	UA03CHIN22	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य (निर्मला) ले.प्रेमचंद राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
	UA03CHIN23	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और भक्तिकाल)
GENERIC ELECTIVE	UA03GHIN21	आधुनिक हिन्दी छायावादी कविता १,पंत,प्रसाद,निराला और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ ले. वाचस्पति पाठक लोकभारती प्रकाशन दिल्ली
	UA03GHIN22	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य (निर्मला) ले.प्रेमचंद राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
SKILL ENHANCEMENT	UA03SHIN21	विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग
	UA03SHIN22	भाषा कम्प्यूटिंग

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G.COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. SEMESTER -III CORE
UA03CHIN21 आधुनिक हिन्दी छायावादी कविता

१,पंत,प्रसाद,निराला और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ ले.वाचस्पति पाठक
लोकभारती प्रकाशन दिल्ली

इकाईः१.जयशंकर प्रसाद की निम्नलिखित कविताएँः
१.हिमाद्री तुंग श्रृंग से, २.अरी बरूणा की शांत कछार,
३.पेशोला की प्रतिघ्वनि, ४.सौंदर्य, ५.तुमुल कोलाहल कलह में।
सभी कवियों कविताओं से चुने हुए अंश की व्याख्या।

इकाईः२ सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की निम्नलिखित कविताएँः
१.भारती वंदना, २.वसंत आया,३.भर देते हो,
४.जागो फिर एक बार,५.स्नेह निर्झर बह गया
सभी कवियों कविताओं से चुने हुए अंश की व्याख्या।
इकाईः३. सुमित्रानंदन पंत की निम्नलिखित कविताएँः
१.नौकाविहार, २. भारतमाता। ३.तप रे, ४.ताज,
५.यह धरती कितना देती हैं,
सभी कवियों कविताओं से चुने हुए अंश की व्याख्या।
इकाईः४ महादेवी वर्मा की निम्नलिखित कविताएँः
१.धीरे-धीरे उतर क्षितिज से, २.मैं बनी मधुमास आली,३.मधुर-मधुर मेरे दीपक जल,
४.तुम मुझ में प्रिय-फिर परिचय क्या?, ५.मैं नीर भरी दुःख की बदली,
सभी कवियों कविताओं से चुने हुए अंश की व्याख्या।

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. SEMESTER -III CORE
UA03CHIN22 आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

निर्मला – ले.प्रेमचंद राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाईः१
प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
नारी विमर्श और प्रेमचंद
'निर्मला' उपन्यास का कथासार

इकाईः २
उपन्यास के तत्व और 'निर्मला'
अनमेल विवाह और 'निर्मला'
निर्मला' उपन्यास की प्रमुख समस्यायें

इकाईः३
निर्मला' उपन्यास के प्रमुख चरित्र निर्मला और तोताराम
निर्मला' उपन्यास के गौण चरित्र,मंसाराम,कल्याणी,भुवन मोहन

इकाईः४
निर्मला' उपन्यास का नामकरण
निर्मला' उपन्यास की प्रासंगिकता
निर्मला' उपन्यास का उद्देश्य

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. SEMESTER -III
UAO3CHIN23 हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल,भक्तिकाल तक)

इकाईः१
हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण
आदिकाल का नामकरण
आदिकालीन परिस्थितियाँ

इकाईः २
आदिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
कवि चंदवरदाई का व्यक्तित्व कृतित्व
कवि विद्यापति का व्यक्तित्व कृतित्व

इकाईः३
भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
ज्ञानमार्गी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
प्रेममार्गी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

इकाईः४
रामभक्ति काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ
कृष्णभक्ति काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ
कबीर का व्यक्तित्व कृतित्व
तुलसीदास का व्यक्तित्व कृतित्व

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. GENERIC ELECTIVE
SEMESTER -III UA03GHIN21 आधुनिक हिन्दी छायावादी कविता

१,पंत,प्रसाद,निराला और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ ले.वाचस्पति पाठक
लोकभारती प्रकाशन दिल्ली

इकाईः१.जयशंकर प्रसाद की निम्नलिखित कविताएँः
१.हिमाद्री तुंग श्रृंग से, २.अरी बरूणा की शांत कछार,
३.पेशोला की प्रतिघ्वनि, ४.सौंदर्य, ५.तुमुल कोलाहल कलह में।
सभी कवियों कविताओं से चुने हुए अंश की व्याख्या।

इकाईः२ सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की निम्नलिखित कविताएँः
१.भारती वंदना, २.वसंत आया,३.भर देते हो,
४.जागो फिर एक बार,५.स्नेह निर्झर बह गया

इकाईः३. सुमित्रानंदन पंत की निम्नलिखित कविताएँः
१.नौकाविहार, २. भारतमाता ३.तप रे, ४.ताज,
५.यह धरती कितना देती हैं,७.

इकाईः४ महादेवी वर्मा की निम्नलिखित कविताएँः
१.धीरे-धीरे उतर क्षितिज से, २.मैं बनी मधुमास आली,३.मधुर-मधुर मेरे दीपक जल,
४.तुम मुझ में प्रिय-फिर परिचय क्या?, ५.मैं नीरभरी दुःख की बदली,

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. GENERIC ELECTIVE
SEMESTER -III UA03GHIN22 आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

निर्मला – ले.प्रेमचंद राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाईः१
प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
नारी विमर्श और प्रेमचंद
'निर्मला' उपन्यास का कथासार

इकाईः २
उपन्यास के तत्व और 'निर्मला'
अनमेल विवाह और 'निर्मला'
निर्मला' उपन्यास की प्रमुख समस्यायें

इकाईः३
निर्मला' उपन्यास के प्रमुख चरित्र निर्मला और तोताराम
निर्मला' उपन्यास के गौण चरित्र,मंसाराम,कल्याणी,भुवन मोहन

इकाईः४
निर्मला' उपन्यास का नामकरण
निर्मला' उपन्यास की प्रासंगिकता
निर्मला' उपन्यास का उद्देश्य

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE SKILL ENHANCEMENT
B.A. SEMESTER -III UA03SHIN21 विज्ञापन अवधारणा निर्माण एवं प्रयोग

विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग

- **इकाईः१.**
  विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व।
  विज्ञापन का इतिहास।
  विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धान्त।
- **इकाईः२**
  विज्ञापन के प्रकार।
  विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम।
  हिन्दी विज्ञापनों की प्रवृतियाँ और विकास।
- **इकाईः३**
  हिन्दी विज्ञापनों की विशेषताएँ।
  विज्ञापन माधम के रूप में हिन्दी
  हिन्दी विज्ञापनों की सीमाएँ।
- **इकाईः४**
  विज्ञापन लेखन।,विज्ञापनीय हिन्दी स्वरूप और समस्याएँ।
  हिन्दी विज्ञापनों का समकाल
  विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

जन पत्रकारिता जनसंचार एवं जनसंपर्क-प्रो.सूर्यप्रसाद दीक्षित
जनसंपक और विज्ञापन-संतोष गोयल
पत्रकारिता के विभिन्न स्वरूप-ज्ञानेन्द्र रावत
ईकक्टोनिक मीडिया एवं साइबर पत्रकारिता-राकेशकुमार
हिन्दी विज्ञापनों का समकालीन विमर्श-डॉ.शिवनारायण
हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम-डॉ.जितेन्द्र वत्स

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
B.A HINDI TOTAL CREDIT-3
SUBJECT: HINDI LITERATURE B.A. SKILL ENHANCEMENT
SEMESTER -III UA03SHIN22

भाषा कम्प्यूटिंग

इकाईः१.

कम्प्यूटर प्रबंधन–हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रमुख एप्लीकेशन पैकेज,
वेबसाइट, ई–मेल, वेब सर्फिंग, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सी.डी.,मोबाइल ,
मैग्जीन का निर्माण।

इकाईः२.

मल्टीमीडिया की कार्य प्रणाली।,कम्प्यूटर में डाटा प्रविष्टि, स्मृति (मेमोरी), सूचना संग्रहण।
कम्प्यूटर मुद्रण।,सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप।,संचार प्रौद्योगिकी की प्रयोजनीय शब्दावली।

इकाईः३.

संचार भाषा के रूप में हिन्दी की उपलब्धियाँ।,
कम्प्यूटर में हिन्दी के विभिन्न अनुप्रयोग।

इकाईः४.

कम्प्यूटर अनुवाद।
रेडियो और टेलीविजन के कम्प्यूटर साधित कार्यक्रम।

संदर्भ ग्रंथ

१.मीडिया लेखन– डॉ.चन्द्रप्रकाश संजय प्रकाशन,दिल्ली
२.आधुनिक जनसंचार और हिन्दी– हरिमोहन तक्षशिला प्रकाशन,दिल्ली
३.जन पत्रकारिता,जनसंचार एवं जनसंपर्क–प्रो.सूर्यपसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन,दिल्ली
४.जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता–अर्जुन तिवारी,जयभारत प्रकाशन,दिल्ली
५.जनसंपर्क,विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम–एन.सी.पंत,तक्षशिला प्रकाशन,दिल्ली
६.कम्प्युटर और मीडिया ले. भगवानदेव पाण्डेय,,डॉ.योगेशकुमार पाण्डेय,सत्यम पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली ११००५६
७.इलेक्ट्रोनिक मीडिया एवं साइबर पत्रकारिता ले. राकेशकुमार नटराज प्रकाशन, दिल्ली११०००२
८.इलेक्ट्रोनिक मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी,विजय कुमार आनंद,राकेश नैम,रजत प्रकाशन नई दिल्ली ११०००२
९. संचार माध्यम और इलेक्ट्रोनिक मीडिया,ले.ज्ञानेन्द्र रावत,नटराज प्रकाशन,दिल्ली

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
B.A. HINDI
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. CORE COURSE(CC)
SEMESTER -IV

ABILITY ENHANCEMENT		
CORE	UA04CHIN21	छायावादोत्तर हिन्दी कविता नागार्जुन, नरेश मेहता, शिवमंगलसिंह 'सुमन', भवानी प्रसाद मिश्र
	UA04CHIN22	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्यःसारा आकाश
	UA04CHIN23	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल और आधुनिक काल संवत १९०० से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति तक)
GENERIC ELECTIVE	UA04GHIN21	छायावादोत्तर हिन्दी कविता नागार्जुन, नरेश मेहता, शिवमंगलसिंह 'सुमन', भवानी प्रसाद मिश्र
	UA04GHIN22	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्यःसारा आकाश
SKILL ENHANCEMENT	UA04SHIN21	साहित्य और हिन्दी सिनेमा
	UA04SHIN22	रंग आलेख एवं रंगमंच

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. CORE COURSE(CC)
SEMESTER -IV
UA04CHIN21 छायावादोत्तर हिन्दी कविता

छायावादोत्तर हिन्दी कविता
सं.डॉ.आलोक गुप्त
जयभारती प्रकाशन

इकाईः१ शिवमंगलसिंह 'सुमन'
वरदान मागूँगा नहीं
आभार
विवशता
पर आँख भरी नहीं
मिट्टी की महिमा

***इकाईः२* नागार्जुन**
उनको प्रणाम
सिंदूर तिलकित भाल
अकाल और उसके बाद
मास्टर
पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने

***इकाईः३* नरेश मेहता**
ज्वार गया,जलयान गये
निज पथ
वर्षा भीगा शहर
मंत्र-गंध और भाषा
अधूरे वाक्य वाली धूप

इकाईः४ भवानी प्रसाद मिश्र
नई इबारत
सन्नटा
गीत-फरोश
मनोरथ
चार कौए उर्फ चार हौए

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. CORE COURSE(CC)
SEMESTER -IV
UA04CHIN22 आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

'सारा आकाश'–ले.राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन इलाहाबाद

इकाईः१.राजेन्द्र यादव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
सारा आकाश उपन्यास की कथावस्तु।
नारी विमर्श और राजेन्द्र यादव।
इकाईः२.उपन्यास के तत्व और 'सारा आकाश'
'सारा आकाश' उपन्यास के प्रमुख चरित्र समर,प्रभा
'सारा आकाश' उपन्यास के गौण पात्र धीरज,मुन्नी,अमर,कुंवर,दिवाकर
इकाईः३.'सारा आकाश'उपन्यास का नामकरण
'सारा आकाश' उपन्यास की प्रासंगिकता
'सारा आकाश' उपन्यास का उद्देश्य
इकाईः४'सारा आकाश'उपन्यास की प्रमुख समस्याएँ।
'सारा आकाश' उपन्यास का शीर्षक
संदर्भ सहित व्याख्या

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
B.A. CORE COURSE(CC)
SEMESTER -IV
UA04CHIN23 हिन्दी साहित्य का इतिहास
(रीतिकाल और आधुनिक काल संवत १९०० से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति तक)

इकाईः १.

रीतिकाल का नामकरण।
रीतिकाल की परिस्थितियाँ।

इकाईः २

रीतिकालीन कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ/विशेषता।
रीतिसिद्ध,रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा
विशेष रचनाकार बिहारी और घनानंद।

इकाईः३ आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और परिस्थितिया
भारतेन्दु युगीन कविता,द्विवेदीयुगीन कविता,छायावाद युगीन कविता
विशेष रचनाकारःभारतेन्दु हरिश्चंद्र,मैथिलीशरण गुप्त,सुमित्रानंदन पंत,जयशंकर प्रसाद

इकाईः४

प्रगतिवादी कविता , प्रयोगवाद, हालावाद, नयी कविता
विशेष रचनाकार – हरिवंशराय बच्चन,अज्ञेय,धुमिल

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
B.AIII SEMESTER
SUBJECT: HINDI LITERATURE GENERIC ELECTIVE
UA04GHIN21 छायावादोत्तर हिन्दी कविता

छायावादोत्तर हिन्दी कविता

संं.डॉ.आलोक गुप्त
जयभारती प्रकाशन

इकाईः१ शिवमंगलसिंह 'सुमन'

वरदान मागूँगा नहीं
आभार
विवशता
पर आँख भरी नहीं
मिट्टि की महिमा

इकाईः२ नागार्जुन

उनको प्रणाम
सिंदूर तिलकित भाल
अकाल और उसके बाद
मास्टर
पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने

इकाईः३ नरेश मेहता

ज्वार गया,जलयान गये
निज पथ
वर्षा भीगा शहर
मंत्र-गंध और भाषा
अधूरे वाक्य वाली धूप

इकाईः४ भवानी प्रसाद मिश्र

नई इबारत
सन्नटा
गीत-फरोश
मनोरथ
चार कौए उर्फ चार हौए

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
SUBJECT: HINDI LITERATURE
SECOND YEAR B.A. GENERIC ELECTIVE SEMESTER -IV
UA04GHINC22 आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

सारा आकाश–ले.राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन इलाहाबाद

इकाईः१.राजेन्द्र यादव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
सारा आकाश उपन्यास की कथावस्तु।
नारी विमर्श और राजेन्द्र यादव।
इकाईः२.उपन्यास के तत्व और 'सारा आकाश'
'सारा आकाश' उपन्यास के प्रमुख चरित्र समर,प्रभा
'सारा आकाश' उपन्यास के गौण पात्र धीरज,मुन्नी,अमर,कुंवर,दिवाकर
इकाईः३.'सारा आकाश'उपन्यास का नामकरण
'सारा आकाश' उपन्यास की प्रासंगिकता
'सारा आकाश' उपन्यास का उद्देश्य
इकाईः४'सारा आकाश'उपन्यास की प्रमुख समस्याएँ
'सारा आकाश' उपन्यास का शीर्षक
संदर्भ सहित व्याख्या

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
U.G. COURSE IN ARTS
B.A IV SEMESTER
SUBJECT: HINDI LITERATURE SKILL ENHANCEMENT
UA04SHIN21 साहित्य और हिन्दी सिनेमा

इकाईः १ सिनेमा और साहित्य
जनसंचार के रूप में सिनेमा का आकर्षण।
सिनेमा अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम।

इकाईः २
सिनेमा में हिन्दी साहित्यकार।
हिन्दी सिनेमा :विकासात्मक परिदृश्य।
हिन्दी सिनेमा के विभिन्न पड़ाव।

इकाईः ३
हिन्दी साहित्य एवं हिन्दी फिल्में।
१.यही सच है–रजनीगंधा,
२.शतरंज के खिलाड़ी,
३.सारा आकाश,
४.आपका बंटी–समय की धारा
५.पद्मावत

इकाईः ४ हिन्दी फिल्में विविध परिदृश्य
१.ऐतिहासिक फिल्में–जोधा अकबर,मणिकर्णिका।
२.सामाजिक फिल्में–विवाह,हम आपके हैं कौन।
३.समाज सुधारक फिल्में–पेड़ मेन,टोयलेट एक प्रेमकथा।

SARDAR PATEL UNIVERSITY
U.G.C COURSE IN ARTS CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
B.A HINDI TOTAL CREDIT-3
SUBJECT: HINDI LITERATURE B.A. SKILL ENHANCEMENT
SEMESTER -IV UA04SHIN22

रंग आलेख एवं रंगमंच

इकाईः१ नाटक के प्रमुख प्रकार और उनका रचना विधान–एकांकी, लोकनाटक, प्रहसन, काव्यनाटक, नुक्कड़ नाटक, भावनाटक, पाठ्यनाटक, रेडियो नाटक, टीवी नाटक।

इकाईः२ नाटक की परिभाषा, हिन्दी नाट्यशास्त्र और नाट्यलेखन का इतिहास नाटक का उदभव और विकास

इकाईः३ हिन्दी नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक,समस्यामूलक नाटक।

इकाईः४ नाटक के तत्व, नाटककार मोहन राकेश व्यक्तित्व एवं कृतित्व, आषाढ़ का एक दिन की कथावस्तु,पात्र और चरित्र चित्रण,।

संदर्भ ग्रंथ

१.हिन्दी नाटकः इतिहास के सोपान–गोविंद चातक
२.हिन्दी नाटक : आजकल– जयदेव तनेजा
३.आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच –लक्ष्मीनारायण लाल
४.हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह
५.आधुनिक हिन्दी नाटककारों के सिद्धांत– निर्मला हेमंत
६.नाटककार जगदीशचंद्र माथुर
७.हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास
८.एकांकी और एकांकीकार :रामचरण महेन्द्र
९.हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास : सिद्धनाथ कुमार
१०.हिन्दी नाट्यशास्त्र का स्वरूपः डॉ.नर्मदेश्वर राय